

धसाचारण

EXTRAORDINARY

भाग Π —सन्द 3—उपसन्द (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

do 49]

नई दिल्ली, सोर्म्य।र, मार्च 22, 1971/चत्र 1, 1693

No. 49]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 22, 1971/CHAITRA 1, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd March, 1971

- G.S.R. 397-B.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of paragraph 11 of the Government of India (Audit and Accounts) Order, 1936, as adapted by the India (Provisional Constitution) Order, 1947, read with article 149 of the Constitution, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor-General of India, hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Departmentalisation of Accounts (Food, Agriculture, Rehabilitation, Works, Housing and Urban Development and Supply) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. **Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires, "Chief Accounting Authority" means the Secretary to the Government of India in the Department or Ministry concerned.

- 3. Departmentalisation of accounts.—Consequent on the scheme of separation of Accounts from Audit introduced on and from the 1st April, 1955, in pursuance of the letter of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue and Expenditure No. 329-SF/55 dated the 16th February, 1955, as modified from time to time, in respect of the Departments of Food, Rehabilitation and Supply, the Comptroller and Auditor-General of India shall, on and from the commencement of these rules, be relieved of the responsibility for the keeping of the accounts of the Departments or Ministries to the extent indicated in the Annexure to these rules and the Chief Accounting Authority shall take over the responsibility aforesaid;
 - Provided that the accounts of the Department or Ministry concerned including the initial and subsidiary accounts shall be prepared in such form as may be prescribed by the Comptroller and Auditor-General of India with the approval of the President:
 - Provided further that subsidiary instructions relating to compilation of the accounts of the Department or Ministry concerned and other matters ancillary thereto shall be issued by the Chief Accounting Authority in consultation with the Comptroller and Auditor General of India.
- 4. Responsibility of the Chief Accounting Authority.—The Chief Accounting Authority shall be responsible for—
 - (a) payments after pre-check and accounting of transactions relating to the Department or Ministry concerned under his charge and for the maintenance of such accounts, records, or registers as may be necessary in connection therewith as prescribed in the Pay and Accounts Office Manual;
 - (b) preparation of monthly consolidated accounts of the Department or Ministry concerned, the responsibility for the keeping of the accounts of which have been taken over by the Chief Accounting Authority and the submission thereof to the Accountant General, Central Revenues, in such form and on such dates as may be determined in consultation with the Comptroller and Auditor-General of India for incorporation in the accounts of the Union;
 - (c) maintenance of Provident Fund Accounts, accounts of loans and advances, detailed books and disbursing accounts as well as the work relating to review of balances, verification of pensions and settlement of claims of the Department or Ministry concerned in relation to other Departments, Ministries or Governments;
 - (d) preparation of annual Appropriation Accounts of the Department or Ministry concerned, the responsibility for the keeping of the accounts of which have been, under these rules, taken over by him and for the submission of such Appropriation Accounts to the Comptroller and Auditor-General of India through the Accountant General, Commerce, Works and Miscellaneous or through the Director of Audit, Indian' Accounts.

Annexure [See rule 3]

Name of Ministry	Name of Department	Particulars of Work
(1)	(2)	(3)

Supply

Payment and Account work of Chief Pay and Accounts Officer's Organisation.

Payment and Account work of:

- (i) Secretariat
- (ii) Attached Offices:—
 - (i) Directorate General, Supplies & Disposals.

Ministry	Name of Department	Particulars of Work
(1)	(2)	(3)
		(iii) Subordinate and other Offices:—
		(i) National Test Hous London.
		(ii) India Supply Mission London
		(iii) India Supply Misslo Washington.
		(iv) Chief Account Officer, India Suppl Mission, Washington
2. Health, Family Planning, Works, Housing and Urban Development.	Works, Housing and Urban Development.	Payment and Account work of : (i) Secretariat.
		(ii) Stationery and Printin Organisation and its Subordinate Offices.
		(iii) Town and Country Plannin Organisation.
3. Food, Agriculture, Community Development and Cooperation.	(i) Food.	Payment and Account work of:— (i) Secretariat. (ii) Attached Offices:— Directorate of Sugar and Vanaspati.
		(iii) Subordinate and other Offices:— (i) Regional Directorates o
		(ii) Sugar Industry Enquire Commission.
		(iii) Grain Storage Institute Hapur.
		(iv) Directorate of Technica Advice Delhi/Calcutta/ Bombay/Madras.
		(v) Regional Offices of Save Grain Campaign Delhi Bombay/Patna.
	(ii) Agriculture	Payment and Account work of:— (i) Secretariat.
		(ii) National Commission of Agriculture.
4. Labour, Employment and	d Rehabilitation.	Payment and Account work of:— (i) Secretariat.
		(ii) Subordinate and other Offices:—
		(i) Chief Settlement Commi- ssioner.
		(ii) Regional Settlement Com-
		(iii) Central Claims Organisa-

Ministry

Name of Department

Particulars of Work

- 4. Labour, Employment, and Rehabilitation—cont.l
- (iv) Chief Commandant, Mana Group of Camps.
- (v) Custodian of Deposits.
- (vi) Rashtriya Vikas Dal.
- (vii) Chief Development Commissioner, Andaman.

[No. F. 1(12)-B/71.]

B. MAITHREYAN, Jt. Secy.

वित मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मार्च , 1971

सार्कार नि 3 74-संविधान के अनुच्छेट 149 के साथ पठित तथा भारतीय (अनन्तिम संविधान) आदेश, 1947 के द्वारा अनुकृत्वित रुप में भारत सरकार (लेखा परीक्षा तथा लेखा) आदेश, 1936 के पेराग्राफ 11 के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त समितयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, भारत के नियंत्रकमहालेखापरीक्षक के परामर्श में, एतद्दारा, निम्नलिखि नियम बनाते हैं, अर्थात:—

- 1 लघुशार्षक तथा लागू होने की तारीखः (1) इत नियमों को, लेखा विभागीकरण (खाद्य, कृषि, पुनर्वाम, निर्माण, अवास तथा नगर वि ास और पूर्ति नियमा ली, 1971 कहा जा सकेगा।
 - (2) ये नि रम, इनके सरकारी जट ने प्रकाति किये जारे की तारीख से लागू होंगें।
- 2 परिभाषाएं:-- इन नियमों में, जब तक संदर्भ से ग्रन्यथा श्रपेक्षित न हों, ''मुख्य लेखा श्राधिकारी' का ग्रथी होगा सम्बद्ध विभाग या मंत्रालय में भारत सरकार के सचिव।
- 3 लेखों का विभागों हरण- खाद्य, पुनर्वास तथा पूर्ति विभागों के सम्बन्ध में, भारत सरकार के विक्तमंत्रालय के राजस्व तथा व्यय विभाग के दिनांक 16 फरवरी, 1955 के पत्र संख्या 329-एस 55 के श्रनुसरण में, जिसमें समय समय पर संशोधन किये जाते रहे हैं, पहली श्रप्रैंल, 1955 को उस तारीख से, लेखा-विभाग को लेखा परीक्षा विभाग से श्रलग कर देने की योजना के लागू कर दिये जाने के परिणाम स्वरूप, भाग्त के नियंत्रक महालेखा परीक्षक को , इन नियमों के लागू होने की तारीख को श्रीर उस तारीख से विभागों श्रथवा मंत्रालयों का हिसाब किताब रखने की जिम्मेदारी से उस हद तक मुक्त कर

दिया जायगा, जिसका उल्लेख इन नियमों के अनुबंध में किया गया है श्रौर मृख्य लेखा प्राधिकारी पूर्वीक्त जिम्मेदारी की संभाल लेगा :

परन्तु सम्बद्ध विभाग या मंत्रालय का लेखा, जिसमें प्रारम्भिक तथा सहायक लेखा भी शामिल है, डिउन रीति से तैयार किया जायगा, जिनका निर्वारण भारत के निर्वत समृत्तिखायरीक्षक द्वारा राष्ट्रपति के प्रतुमोदन से किया जायः

श्रीर सम्बद्ध मंत्रालय या विभाग के लेखे के संकलन तथा तत्सम्बन्धी श्रन्य मामलों से सम्बन्धित सहायक श्रनुदेश, मुख्य लेखा प्राधिकारी द्वारा भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक के परामर्श से जारी किये जायगे।

- 4. मुख्य लेखा प्रधिकारियों की जिम्मेदारियां

 मुख्य लेखा-प्राधिकारी इन कार्यों के लिये जिम्मेदार होगा :---
- (क) पहले जांच करने के बाद ग्रदायगी करने का काम , ग्रपने कार्यभार क्षेत्र के ग्रधीनंस्य सम्बद्ध मंद्रालय या विभाग से सम्बन्धित लेनदेनों का हिसाब रखना तथा इस प्रकार के लेखे, प्रभिलेख (रेकार्ड) या रजिस्टर रखना, जो इस सम्बद्ध में ग्रावश्यक हों तथा वेतन तथा लेखा कार्यालय नियमप्रस्तक में निर्धारित किये गये हों ;
- (ख) सम्बद्ध विभाग या मंत्रालय के मालिक समेकत लेखे तैयार करना, जिनके लेखे रखने की जिम्मेदारी मुख्य लेखा -प्राधिकारी द्वारा श्रपने ऊपरले ली गयी है श्रौर इन्हें महा-तेखा पाल, केन्द्रीय राजस्य को ऐसे रूप में श्रौर तारीखों को प्रस्तुन करना जो भारत के नियंत्रक महा-लेखा परीक्षक के परामर्श से संघ के लेखों में सम्मिलित किये जाने के लिये निश्चित की जांय ;
- (ग) भविष्य निधि के लेखों, ऋण श्रीर श्रग्निमों के लेखों, विस्तृत ब्योरों वाली लेखा पुस्तकों श्रीर भुगतान लेखों का श्रनुरक्षण तथा शेष रकमों की समीक्षा, पेंशनों की जांच श्रीर श्रन्य विभागों, मंत्रालयों या सरकारों के सम्बन्ध में सम्बद्ध विभाग या मंत्रालय के दावों के निषटारे से सम्बन्धित कार्य;
- (घ) सम्बद्ध विभाग या मंत्रालय के वार्षिक विनियोग लेखे तैयार करना, जिसके लेखे रखने की जिम्मेदारी, इन नियमों के श्रन्तर्गत, उसके द्वारा श्रपने ऊपर ली गयी है श्रीर इन विनियोग लेखों को महालेखापाल, वाणिज्य, निर्माणकार्य श्रीर विविध, या लेखापरीक्षा निदेशक, भारतीय लेखा के माध्यम से भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक को प्रस्तुत करना।

		ग्रनुबन्ध (नियम 3 देखिए)		
कम }ें ्रमंत्रालय विभागकानाम संख्या ़े कानाम		कार्य का त्र्यौरा		
(1)	(2)	(3)		
1 पूर्ति		मुख्य लेखा अधिकारियों के संगठन से सम्बद्ध अदायगी और लेखा-सम्बन्धी कार्य निम्नलिखिन के अदायगी और लेखा सम्बन्धी कार्य- (i) सिचवालय (ii) संस्थम कार्यास्य		
		(i) पूर्ति ग्रौर निपटान महानिदेशालय		
		(iii) प्रशीतस्थ और सन्य कार्यालय		
		(i) राष्ट्रीय परीक्षण गृह		
		(ii) इण्डिया सप्लाई मिशन लन्दन		
		(iii) इण्डिया सप्लाई मिशन, वाशिगंटन		
		(iv) मुख्य लेखा श्रधिकारी इण्डिया सप्ला र्द मिशन, वाशिगटन		
2 स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, श्रावस श्रौर नगर विकास	निर्माण,ग्रवास श्रीर नगर विकास	इनके श्रदायगी श्रीर लेखा सम्बन्धी कार्यः — (i) सिचवालय (ii) लेखन सामग्री श्रीर मुद्रण संगठन श्रीर उसके श्रधीनस्य कार्यालय		
		(iii) नगर फ्रौर ग्राम श्रायोजन संगठन		
3 खाद्य, कृषि, सामु- दायिक विकास भ्रौर सहकारिता	(i) खाद्य	निम्नलिखित के श्रदायगी श्रीर लेखा सम्बन्धी कार्यः— (i) सिचवालय (ii) संलग्न कार्यालय:—		
		चीनी श्रौर वनास्पति निदेशालय		

1 2	3
	(iii) ग्रधोनस्थ ग्रोर श्रन्य कार्यालम (i) प्रादेशिक खाद्य निदेश लय (ii) चीनी उद्योग जांच श्रायोग (iii) श्रन्न संग्रहण संस्थान, हापुड़ (iv) तकनीकी परामर्श निदेशालय दिल्ली/ कलकत्ता/बम्बई/मद्रास (v) श्रन्न बचाग्रो कार्यक्रम के प्रादेशिक कार्यालय दिल्ली/बम्बई/पटना
(ii) हापि	निम्नलिखित के श्रदायगी श्रौर लेखा सम्बन्धी कार्यः (i) सचिवालय (ii) राष्ट्रीय कृषि श्रायोग
4 श्रम, नियोजन भ्रौर पुनर्वास पुनर्वास	निम्नलिखित के श्रदायगी और लेखा संम्बन्धी कार्यः— (i) सचिवालय (ii) सभीनस्था श्रीर श्रम्य कार्यालय (i) मुख्य बन्दोबस्त श्रायुक्त (ii) प्रावेशिक बन्दोबस्त श्रायुक्त (iii) केन्द्रीय दावा संगठन (iv) चीफ कमाडेन्ट, माना समूह शिविर (v) जमा श्रभिरक्षक (vi) राष्ट्रीय विकास दल (vii) मुख्य विकास श्रायुक्त, श्रण्डकान

[सं० एफ ०1 (12) - बी / 71] बी० मैं त्रेयन,

संयुक्त सचिव, भारत सरकार ।